



[illegible]

लिगा २ विवकसूयन् सृष्टरा नल्लमकूटजियं ॥ कृ ६ लस
लसि विवला ॥ सत्यपथकृत्किता ॥ कृ ॥ चनेलधिपदिन अनला
दि ॥ नल्लमल्लसयू ॥ रुदिपमादिग मययि विलासवज २५
गुननिवज अनमिल ॥ कृ ॥ विधि सिसिदवपदागा ॥ सवजिनरु
नरामपदागा ॥ कृ ॥ ॥ ॥ ॥ गुरा ॥

वदन्त्यपि

उ नमावर्ज्य हावद क्य विधान नकसः गत्रसः कत्रसः यिनायः गारु क
न ग्वगनासः स ग्वनः श्रुलपा धात्र ह धुमि थापनायाय गुत्रम धुलः दमु
त्रीः कत्रस पूजा धूमडा नः दूध धर्मसं यपू जा धूमडा नः वदकू यग छापि
निः थका निन नसा र्थ रुया नः स्थलि कस स्वर्नः गुत्रम धुल धर्म दनकः वि
सडा नः नीगा ऊनः मग रु गा नवान लयः स ग्वन न लयः अनिक वियः त्रुर्गु
त्री घायः वसपीन मः धुमि धून डा नः कगय डा नः मास वत्रकः पाथनिनी

न गमय कः व्यरुमात्र पनः कउनव्यकः माउल्लयकः प्रमिथनकः सषायः धू
नडा नः नास्मत्र धनयनः निसत्रनया वकः थायसमानः आचार्य र्थकनः ॥ रा
कूनपूग प्रिसत्य गाः कूनपुव चालिर्ग धम्मवन वपः ॥ अयिसः प्रिसन्य च म अ
चा ड ॥ उपा धमया ॥ दूध धम्म संघस कत्रसकः सनन नन्यः नुक विनया रुन ॥ कूस
कत्रस्य ॥ सिद्ध सनन गं मत्वा ॥ गमथा ॥ अरु मिथं नामा ज्ञान जिनः दूध र गवर्न म
त्र ली गच्छामि ॥ धिप दाना र्थ गी ॥ धर्म मलनं गच्छामि विना गम नाम गा ॥ संघ सनन

गङ्गामि॥ गनानाम॥ ३ ॥ धर्मि सिद्धिं स्याय के धूनडावः पुनरुत्थनः पुनरुत्थि
खाविय॥ लो कूल पुन धनमाननी पाविशक जिवर्त धमनं न॥ १ ॥ मिमयिरुमन
न के कायमनव॥ २ ॥ मिमयिया के अति गमनमनं न॥ ३ ॥ अमर्य स्वक
यमः स्यात् ॥ ४ ॥ ध्यादिन कायमनं न॥ ५ ॥ शिष्यस्य गथायावकः ॥ अ
मिथनामा जावतिर्मपानागि पाग ॥ अ दना दाना काम मिथ्यावातः मखावा दः
द्वपान पुमिवि नमामि ॥ ६ ॥ धूमि उपागक च या धाय ॥ धनलिवा मिष पुनस्य

आवाइ मायि नापटाव ॥ धूमि नमगानी ऊनपवडायाउन भखावक अपमन
सने ॥ गमा ॥ समनारुनं अरुं मिथनामायावः आवाय सारु पवडा यिष्यागधि
गत्व ॥ वलापवर्तः नागधपमाहाः मायाः दसः गृष्टः कामः कोधः धूमि नावस
कादलपानः विद्याकलः धर्मि मयकः किसल सवयो ॥ तद्वसत्र सगङ्गामि गना
नागुमा ॥ लो वजावायोः धमके गुमकुने ॥ सत्रनयाः सद्यसत्रनयाय
संयुक्तः गाधि गत्वः गनयाः पुष्टः गनयावः अमृनिः मोक्षमाग्नेयीस्यविद्याक

समिन्वसंयुदमगाः लोकाश्च नसकः सत्र लयाया ॥ गुत्र वावः साधुकात्रद
या ॥ रुक्मपूय धन्यः श्राद्धावेन ॥ रुना श्राद्धावेन ॥ उं श्राद्धापि गुरु लिगस
पुनः ॥ शोकूलपूयः श्राद्धे त्वयः गुरुत्रिगसमानमुमिः गत्यसमथशवना
धर्कं व्यादगः सिधवावः तिसमकृपाकनासि ॥ सिद्धनक्षत्र ॥ वृद्धसत्य ॥ स
यसत्य ॥ शूनस्यसमथशयामः कृत्रपात्रस्यनकृपायाईः पुसनकृयमात्रः सिधन
धत्र ॥ ॥ गुत्र वावः ॥ श्रुधुनारुपवयामिः सिद्धवसमकात्रक वगाचात्रक

धानिर्गपंचभिन्नाविधियय ॥ ॥ शक्तिभिन्ना श्रामात्रिनकन्यः कृनद्यडाः
पवद्यावर्क्याः पुरुत्रः रुसिद्धवृनयाईईडाः रुगादसनाकन्यः कृनहिनकद्य
डाः विधानकनः ॥ पानमरुन्याल्लपियवमद्यः मुक्कानरावर्नल्लयवस्यपत्रस्य
राव्योमत्रमापिनकः स्वर्गवगकृगुरुयत्नाना ॥ ॥ शामिष शिद्धकृत्रडा
वः थडाकोमधनपमगाकः पानिवधममर्गकः मद्यपीनशिवत्रपमयवः रुसं
वकायमरुंमः मययाधनसलीरावायमयमः मययानित्रीसगारवायमयव

पंकसिंघाधायधुतागा ॥ ॥ सिद्धवाचः सिंघानधायचक्रपात्रसनशास्त्रप
सनशयाः पानीयन्धनमयायः रुसपमययादयाम् गृहमला ग्यः वृत्तिजिन
मयायमखाधकधायः सिद्धना ॥ श्रीरुमिथनामाज्ञावक्तिर्नः शास्त्रायिसः श्राधन
मीसिद्धनामपयायः ध्यात्रिममूपाहोगपूजायायः निरिष्ठावद्भायः चूडा
कुन्दनयायः ॥ सर्वज्ञानवात्रासकुर्यश्चरुं रुग ॥ धनपिमसमृद्धनय्या ॥ मंग
मभनः धनलित्यकपूयादयनः धायसखन्यः श्रीरुमथनामाज्ञावक्तिर्नः ग

हिलिर्गपमिन्वाजयायिः सिद्धपननात्मर्त्यंदहिजावक्तिर्वसिद्धचर्युर्गुरुं धा
नयामि ॥ ॥ लासिंघाश्रायिसः जिज्ञातयानामगात्रायः सिद्धपदनामः धनलपऊ
नः धननामकुर्यः श्रावाजंयवनः दससिखावदामिः गुत्रनेश्राज्ञादगः ॥ शक्ति
सिद्धकनकावः जिगाधलनर्पमात्र ॥ शुभमूर्तमृदगमिमिः नृटगार्गः न
कस्यराः पूर्षपालः वृत्तमामिः श्रीकात्रलोक्तनयदपि ॥ सर्ववभर्था मलास
द्याः दससिकाविधीयनः ॥ लासिद्धसिद्ध ॥ दशसिकाधूमिः पागमआदिर्नपू

यमद अत्रज्ञाः वि आदिन था यमदः प्या घन रु यमदः म
न रु यमदः अर्थे तस्यारु त प्यमदः ला त्य जा न आ स न स या म द आ न नि द
न यमदः ॥ धु कि गा द स हि र वा धा यः धु गि ल्य भोग मा न ॥ **उँ** अ रु मि ध ना ला जा न
कि र्म ड ल्य द सि गा वि द स हि र वा मि अ रु ग रु द या मि ॥ ला आ वा यो ॥ रु न पा न
स न द स वि या शु नीः कि गाः कि नः भोग य अ न स रु न भि ष्य न धा न ॥ ला आ यो
स ॥ धु गि स म गा नीः वि मे द नः हि र वा पा थ गः ख उ वि नि र्द दः धु गि पु स न

य मा ना हि ष्य न धा न ॥ धु पा नी वि व त स ध या यः थ वी त पा न की न र्क ग या य ॥ म धा ॥
उँ द वि व त स ध स वि स्था सा य स ध पु ला ग य न क रु ग ना य न ग न ग मा नि ग
म ना यः नि ग म य नि व रु न ग म ना य अ धि धि र्म **ॐ** द ति रु ना म न **ॐ** वि व त स ध
स्य वि स्था सा य ना रु क न ग म ना य प ल पु न स ग म ना य **ॐ** द पा गु वि सि का ला न
न प नी ला यी कः **ॐ** मा सि का ला नः क रु ती का न ध मे वि वि छि का रु धा धि र्म गु ॥
ध न वि म त ला यः स ग न धि य का न ला यः **उँ** रु सा **उँ** स मे स न धा न
म अ धि स्य म वि व त स्या ला ॥ ॥ ध न नि ॥ गि य कः ॥



विवर्कधनं साह ॥ १० ॥ धनोराह ॥ न ॥ न ॥ न ॥ न ॥ न ॥ न ॥ न ॥ न ॥ न ॥ न ॥
 पाठरिक्तसाह ॥ २० ॥ धनजह ॥ मानकयाय ॥ विमनका कावि ॥ आ य ॥
 सन ॥ इ ॥ इ ॥ इ ॥ इ ॥ इ ॥ इ ॥ इ ॥ इ ॥ इ ॥ इ ॥ इ ॥ इ ॥ इ ॥ इ ॥ इ ॥ इ ॥ इ ॥ इ ॥
 स्वयसः सवन मन पूजा ॥ धलिव क मानी पूजा ॥ धनिय द धनिय लि वि य ॥
 धनिय ॥ धका विनरु ॥ माकि वा धनरु य ॥ धनिय ॥ धम ॥ धम ॥ धम ॥ धम ॥ धम ॥
 पुत्रमेधुल धर्म दनकः ॥ विजन यावकः ॥ नि ना रु नः ॥ म ॥

यः यल लाय ॥ विवि का ॥ पा ॥ विनन ॥ पुत्र गा ॥ विन ॥
 सजासर्व ॥ वि वि ध ग गाम गा ॥ आ वि स त्या स हा स त्या ॥ स्व न ॥
 धसम साहान ॥ आ वि वि र्क मि मि मि ॥ रु ग सा स दी ध ल न प मा नः ॥ म रु न सा ॥
 वा प डू गो ॥ ध मि धाय का वः ॥ रि का या व ॥ य ॥ ध र्मः ॥ स ॥ ध ॥ वि न र्क न ॥ य ल न
 मि य र्क ॥ स न न वि य ॥ मि रु न रू य ॥ स्या न न न र्क ॥ कु मा रि क क ॥ आ रि वा ॥
 कु मा प नः ॥ वि म ड न या वा क ॥ ध न वि य का का या वि वि श ना ॥ धु र ॥

मया देवनागरी लिखितं

रसनामक वनया विधि ॥ दधवनि दधवनि चिनाय मासाकात्र सग्वन धनि थायना
धनकात्र सूर्याय पूजा विधि ॥ गुनमकुल वंखवलि विसजन कमायन धनयस
स्य दधुनी गिसमाधि जाय धूय निवाजन कनसन्यास कूतन्यास धनिव भावा
नसाय स्वस्तिकसग गुनमकुल वनके विभजनयावके धननिवाजन सगरु ना
नचा ग्वन धनयवसूयक कनककाय धनकनगगमानाधियावतय नामकुर
स १ ॥ अमकनामि होतु स्वरा ॥ धनीव न्यागनकाय दधवनिविय मूनव

रजन काया विधि

लिविय वाकपूजा स्वातगन गुनपूजा दक्षिणा कमायन ॥ जनकायदि
धा कनस सग्वन यग कूमावीरजा धनि थायना धूनरुव सूर्याय पूजा केव
गुनमकुल वंखवलि विभजन सिधनपूजा ॥ नरुस्य दधुनी गिसमा धी जाय धूय
कनसन्यास कूतन्यास कूमावीरपूजा ॥ धनभावावसाय स्वस्तिकसग गुनमकुल वद
न विसजन निवाजन सगरु ना नचा सग्वनवुक्तयावगाय वुक्तनगायक
जनकायजानना रजाशो गुरु कनककाय दधवनी विय दधुवलि विय वाकपूजा

२ यो न य विधि

स्वामनन गुत्रयुजा दक्षिण कसावन न्यासि वाद कनसासि कक मग्नन कूमा
रजा क्काय ॥ दशजागा धनजाय राजन ॥ **॥ स्याचकया विधि ॥** कनस
सग्नन कूझन रजा कूर कूझन का सिधन स्याजावन धुतिथपना धूनकाव
सूर्योय युजारुति जाय धनक्रिया शय ॥ गुत्रमकुल नैखव विरुमापन चिस
न धिधवयुजा वरुस्य ॥ दगुनी गिसमा धि जाय धूय निनाजन कनस न्यास क
र न्यास धविद कूमात्रीयुजा धन थका विन कनिन यिविवा सूर्यय स्थितिकम
न ॥ गुत्रमकुल विगजन धन निनाजन मतरु गानचा स्याजावन सग्नन भाय
कान विकनतय धविद स्याजावन नव क्काय राजमान स्याथयक दश

२ यो न य विधि

सयथाय कूझन कानरिन ७ २ १ वसाया कूसखापानययके धनसावभान
धनकाय सिधनमूक दशकन कनकाव थका विन सग्नन विय भद्रनयय व
जनकाविय धनमा धि आगनन मूमायव जि ॥ धविवात्रयुजा दगुव विविय स्वान
गमक गुत्रयुजा दक्षिण कसाय सग्नन कनसासि ककन कूमात्री रजा क्का
य दगुनी समय राजन ॥ **॥ वाधवया विधि ॥** स्यानमसाय वसिधन
मानकय दशकन कक विरावयाव पिखात्रयुग इइ हाय वीरावयाव सूर्य
याखात्रभाय ॥ धविद युजारुति जाय गुत्रमकुल नैखवलिविय विगजनयाय
धन सावमन नगपा १ कयुज १ २ गयादगुयुजा नकूमययुजा स्वानवीय ॥

श्रुत्यविय उद्दं द्वास्तु वस्तुन यन् सख्यसतया द्वास्तु कनसहायका उति ॥ ३१ ॥
 सनाव मतविय गुन्युजा दक्षिणा कसार्थ विसर्जन आसिवादन ॥ ३२ ॥

नाग जगता ॥ ३३ ॥ नमनीमदितामका कसा ॥ नमन नयन
 ताना ॥ ३४ ॥ यदिव दन्यस्तितम उल जनु गमनमदि
 ताना ॥ ३५ ॥ नमने उभतरसन गल व धूलिवरुनादवि
 माता ॥ ३६ ॥ या निमनचउदि च न विनासन ॥ ३७ ॥ मिमात्र

पनाया ॥ ३८ ॥ समनसति यलाचदिवरुनादवि नाचठिययना
 नारचकि कुदनकथिनाचकु श्वरितलीनमा हाकना ॥ ३९ ॥ व्याय
 चलमयति भरव न श्वरा गालि यलुडनन न सिलमाना लुद
 म्दरवत्याग क्षत्र कन क्षत्रयस्र क पाया तिन्यनुनायन
 रिषमद हा दूत दूवरयहनना ॥ ४० ॥ सिहना ददमलुवाकन

३४८५५५

[illegible]

या द्युमन्मन्मात्राः जलि अ ओ यः दिनदलः सासना
 फलितमहाविलाः दतकनाः लुनकिः लः ररु
 ति उधकसाः ररुग आ रननरुखीत दडाः रयसा
 ०५कनाः आमलकानः रति रवननध्यापितः द
 वासलननस्यवितारः मत गलचलनः आनागमकनः

मध्यम नमो भगवते

वल्लभ कृष्ण वंदिता ॥ ॐ नमो भगवते ॥ सत्तावन साह
रुतिक स्यामदल ॥ साधु ॥ सुकल प्रवर्तिय ॥
तानो पुत्रो गमह ॥ नतिवध ॥ गता ॥ गता ॥ हल्ला
ल पर नवीये ॥ नमो भगवते ॥ गता ॥ गता ॥ हल्ला
रुगमलो ॥ सतावन सत्तावन ॥ गता ॥ गता ॥ हल्ला
प्रता ॥ सुकल साय गता ॥ गता ॥ गता ॥ हल्ला

सत्तावन साह

मध्यम नमो भगवते

जागद तास ॥ साय दसा ले साय न ॥ सुकल साय दसा
साता गता ॥ दल टला ॥ सत्तावन साय दसा
दधीन लया ॥ सुता ॥ लेनो रकता ॥ नमो भगवते
दला ॥ नद ॥ दसा ॥ सुता ॥ नका ॥ नमो भगवते
दला ॥ नद ॥ दसा ॥ सुता ॥ नका ॥ नमो भगवते
ॐ कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण

मध्यम नमो भगवते

॥ ५ ॥ श्री लोका कर्तुं दिशानवृत्त ॥ आह ॥ ध्वसमानः पिय
 जगत्साक्षात् ॥ आह ॥ पितृसत्ताकः मृदुकातिदं ह ॥ आह ॥ नाग
 पथ ॥ पथकलीदा आह ॥ ॥
 नीचविनीदुनवदः यतापम ॥ ॥ कादतीकुनवदः यमान
 ॥ ॥ गालीसादनवः ॥ पथ ॥ आ ॥ श्रीमानयः ॥ गनागनाक ॥
 मानव

॥ १ ॥ श्यातदय आह ॥ मथनायना श्री ॥ यकद ॥ ५ ॥ आह
 खदि ॥ सहाय ॥ दहि न श्री आह ॥ ॥ यतिरु यमाना ॥
 वाम ॥ आह ॥ पनसूयासधन ॥ श्रीरु यति गन्तका
 ॥ ॥ ॥ श्री आह ॥ लिहिलिहिलि आह ॥ सुखसयदाता ॥